भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1962
दिनांक 06 दिसम्बर, 2024 को उत्तर के लिए

पोषण भी पढ़ाई भी

1962. **श्री सतपाल ब्रह्मचारीः**
श्री संदिपनराव आसाराम भुमरेः
श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकरः
श्री ज्ञानेश्वर पाटीलः

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) देश के विभिन्न राज्यों में राज्य-वार तथा जिले-वार विशेषकर हरियाणा के सोनीपत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या कितनी है;
(ख) हरियाणा के सोनीपत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित देश में कितने आंगनवाड़ी केन्द्रों को उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल विकास सुविधा प्रदान की जानी हैं;
(ग) क्या सरकार उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के लिए कोई विशेष पहल कर रही है;
(घ) यदि हां, तो महाराष्ट्र, दादरा और नागर हवेली तथा मध्य प्रदेश सहित तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और
(ङ) उक्त योजना के समग्र प्रभाव का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ड.) भारत सरकार ने सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के कौशल उन्नयन के लिए 10 मई, 2023 को पोषण भी पढाई भी (पीबीपीबी) पहल शुरू की ताकि दिव्यांग बच्चों सहित छह वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा तथा पोषण सेवा प्रदान करने की उनकी क्षमता को बढ़ाया जा सके।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण की परिकल्पना आंगनवाड़ी को एक शिक्षण केंद्र में बदलने के प्रथम चरण के रूप में की गई है जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, खेल के उपकरण और अच्छी तरह से प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री होंगे। एमडब्ल्यूसीडी इस कार्यक्रम के तहत दो स्तरीय प्रशिक्षण कार्यान्वयन मॉडल पर विशेष ध्यान देता है। निपसिड को नई दिल्ली स्थित उसके मुख्यालय और देश भर में स्थित पाँच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से पोषण भी पढाई भी के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का क्षमता निर्माण का काम सौंपा गया है।

प्रथम स्तर में निपसिड मुख्यालय और इसके पांच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और राज्य-नामित अतिरिक्त संसाधन व्यक्तियों सहित राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों (एसएलएमटी) का प्रशिक्षण शामिल है। उन्हें ऑनलाइन और ऑफलाइन (व्यक्तिगत रूप से) दोनों तरह के प्रशिक्षणों वाले हाइब्रिड मॉडल में 2 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा द्वितीय स्तर में देश भर में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए ऑफलाइन मोड में 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शामिल है।

इस मंत्रालय ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को सशक्त बनाने और दिव्यांग बच्चों सहित सभी बच्चों के लिए इष्टतम शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत दो पाठ्यक्रम ढांचे विकसित किए हैं - "नवचेतना- जन्म से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन हेतु राष्ट्रीय ढांचा" और "आधारशिला- 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम"।

राष्ट्रीय फ्रेमवर्क – "नवचेतना" घर के अंदर और साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों में सहभागिता का मार्गदर्शन करती है, जीवन के पहले तीन वर्षों में बच्चे की वृद्धि और विकास में समर्थन करने और मापने के लिए प्रेरक गतिविधियां संचालित करने वालों में देखभाल करने वालों की सहायता करती है। इसमें पहले तीन वर्षों में बौद्धिक विकास के महत्व पर विस्तृत जानकारी की जाती है और प्रारंभिक प्रेरक गतिविधियों के संचालन के लिए देखभाल करने वालों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं का चरण-दर-चरण निर्देश दिया जाता है। इसमें दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग, समावेशन और रेफरल पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम - "आधारशिला" आंगनवाड़ी केंद्रों में जाने वाले 3-6 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करता है और सीखने के सभी डोमेन को शामिल करते हुए योग्यता आधारित पाठ योजनाओं और गतिविधियों को प्राथमिकता देता है। यह दस्तावेज़ आयु के अनुसार उपयुक्त गतिविधियों और आकलन के साथ आसान योजना बनाने में सहायता करता है, स्वदेशी खिलौनों और कम लागत वाली, बिना लागत वाली सामग्रियों के उपयोग पर जोर देता है। वार्षिक योजना को 4+36+8 सप्ताह में विभाजित किया गया है अर्थात 36 सप्ताह सक्रिय सीखने के, 4 सप्ताह प्रारम्भिक शिक्षा के और 8 सप्ताह सुदृढ़ीकरण के। प्रत्येक सप्ताह को 5+1 दिनों में विभाजित किया गया है, अर्थात 5 दिन गतिविधियों के परिचय और अभ्यास के लिए और एक दिन साप्ताहिक सुदृढ़ीकरण के लिए। प्रत्येक दिन में 3 ब्लॉक होते हैं, एक स्वागत और मुक्त खेल के लिए, एक सीखने और गतिविधियों के माध्यम से खेलने के लिए और एक चिंतन और समापन के लिए।

दिनांक 02.12.2024 तक हरियाणा राज्य सहित पूरे देश में कुल 24,447 राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों (सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और अतिरिक्त संसाधन व्यक्ति) और 42,308 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम संचालन के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएच&एफडब्ल्यू) से प्राप्त सूचना के साथ 28 नवंबर, 2015223 को "दिव्यांग बच्चों के लिए आंगनवाड़ी प्रोटोकॉल" लॉन्च किया। इस प्रोटोकॉल में दिव्यांगों के लिए पोषण अभियान के तहत समावेशी देखभाल के लिए सामाजिक मॉडल शामिल है जिसमें चरण-दर-चरण दृष्टिकोण शामिल है। यह प्रोटोकॉल दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और पोषण से संबंधित विशेष आवश्यकताओं का समाधान करने के लिए जिला प्रशासन को मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह प्रोटोकॉल विशुद्ध रूप से चिकित्सा मॉडल के बजाय दिव्यांगता के सामाजिक मॉडल अपनाता है। इसे दिव्यांग बच्चों को बेहतर गुणवत्ता वाली देखभाल और सेवा प्रदान करने के लिए जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सुगम संचार के लिए सरल बनाया गया है।

*****